



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 456] नई दिल्ली, बुधवार, अक्टूबर 25, 1972/कार्तिक 3, 1894
 No. 466] NEW DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 25, 1972/KARTIKA 3, 1894

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
 as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 25th October 1972

S.O. 681(E)/18FB/IDRA/72.—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Commerce No. S.O. 3981, dated the 22nd December, 1965, read with the Orders of the Government of India in the Ministry of Foreign Trade Nos. S.O. 3495, dated the 24th October, 1970 and S.O. 5535, dated the 20th December, 1971, the management of the Industrial undertaking known as Muir Mills Limited, Kanpur (hereinafter referred to as the said industrial undertaking) has been taken over under section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for a period of eight years up to and inclusive of the 21st December, 1973;

And whereas the Central Government is satisfied that in relation to the said industrial undertaking it is necessary so to do in the interests of the general public with a view to preventing fall in the volume of production of the scheduled industry, namely, the cotton textile industry;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 18FB of the said Act, the Central Government hereby declares that the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of issue of this Order (other than those relating to secured liabilities to

(1839)

banks and financial institutions and statutory liabilities payable to workers) to which the said industrial undertaking or the company owning such industrial undertaking is a party or which may be applicable to such industrial undertaking or company shall remain suspended for a period of one year and all the rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended for the said period.

[No. F.3/44/72-CUC.]

K. S. BHATNAGAR, Jt. Secy.

औद्योगिक विकास मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 25 अक्तूबर, 1972.

कां० आ० 681(अ)/18 खख/आई० डी० आर० ए०/72.—यतः भारत सरकार के विदेश व्यापार मंत्रालय के आदेश सं० का० आ० 3495, तारीख 24 अक्तूबर, 1970 तथा का० आ० 5535, तारीख 20 दिसम्बर, 1971 के साथ गठित भारत सरकार के भूतपूर्व वाणिज्य मंत्रालय के आदेश सं० का० आ० 3981, तारीख 22 दिसम्बर, 1965 द्वारा म्यूर मिल्स लिमिटेड, कानपुर (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त औद्योगिक उपक्रम कहा गया है) के नाम से ज्ञात औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध, उद्योग (विकास तथा वित्तियमन अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 क के अधीन आठ वर्ष की अवधि तक और जिसमें 21 दिसम्बर, 1973 भी सम्मिलित है, ग्रहण कर लिया गया है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम के बारे में जनसाधारण के हित में अनुसूचित उद्योग, अर्थात्, सूती वस्त्र उद्योग, के उत्पादन के परिमाण में कमी को रोकने की दृष्टि से ऐसा करना आवश्यक है ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 18ब, ख की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषणा करती है कि इस आदेश के जारी होने की तारीख के ठीक पूर्व प्रवृत्त (वैकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रतिभूत दायित्वों और कर्मचारियों को देय कानूनी दायित्वों से सम्बन्धित से भिन्न) सभी संविदाओं, सम्पत्ति के हस्तांतरण-पत्रों, करारों, व्यवस्थापनों अधिनिर्णयों, स्थायी आदेशों या अन्य लिखतों का प्रवर्तन, जिनका उक्त औद्योगिक उपक्रम या ऐसे औद्योगिक उपक्रम का स्वामित्व करने वाली कोई कम्पनी पक्षकार है या जो ऐसे औद्योगिक उपक्रम या कम्पनी को लागू है, एक वर्ष की अवधि के लिए निर्लब्ध रहेगा और उक्त तारीख के पूर्व तद्घीन उत्पन्न या उद्भूत होने वाले सभी अधिकार विशेषाधिकार, बाध्यताएं और दायित्व उक्त अवधि के लिए निर्लब्ध रहेंगे।

2. यह आदेश 26 अक्तूबर, 1972 को प्रवृत्त होगा।

[सं० फा० 3/44/72-सी० यू० सी०]

के० एस० भट्टनागर, संयुक्त सचिव।